प्रेषक,

महानिदेशक,
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उ0प्र0,
स्वास्थ्य भवन, लखनऊ।

सेवा में,

1. समस्त निदेशक, मण्डलीय / जिला / जिला संयुक्त चिकित्सालय, उ0प्र0।
2. समस्त मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ0प्र0।
3. रागरत गुख्य चिकित्साधिकारी, उ0प्र0।
4. समस्त प्रमुख / मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मण्डलीय / जिला / जिला संयुक्त चिकित्सालय, उ0प्र0।

पत्रांकः– 21फ/सं0रो0/2022/352 लखनऊ,दिनांक 12/1/ 2022

विषय– लक्षण विहीन अथवा माइल्ड सिम्प्टोमैटिक कोविड धनात्मक रोगियों तथा आई0एल0आई0 लक्षण युक्त व्यक्तियों हेतु मेडिसिन किट के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि दिनांक 07.01.2022 को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में आहूत कोविड–19 की तीसरी लहर हेतु गठित तकनीकी समिति की बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार विभिन्न आयुवर्गों के कोविड धनात्मक व्यक्तियों/कोविड लक्षणयुक्त व्यक्तियों के प्रयोगार्थ मेडिसिन किट के लिये निम्नानुसार औषधियां उपलब्ध कराया जाना हैः–

12 वर्ष से अधिक आयु वर्ग हेतु

1. टैबलेट पेरासिटामोल 650 अथवा 500 मिलीग्राम की एक टेबलेट दिन में तीन बार 5 दिन के लिए (किट में कुल 15 गोली)
2. टैबलेट आईवरमेक्टिन 12 मिलीग्राम की एक गोली वयस्क व्यक्तियों हेतु दिन में 1 बार रात्रि के भोजन के उपरान्त 5 दिन के लिए (गर्भवती महिलाओं, धात्री महिलाओं तथा 12 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए नहीं दिया जाना है) (किट में कुल 05 गोली।
3. टैबलेट एजिथ्रोमायिसिन 500 मिलीग्राम दिन में 1 बार 5 दिन के लिए (किट में कुल 05 गोली)
4. टैबलेट विटामिन–सी, व्यस्क व्यक्ति हेतु, 500 मिलीग्राम एक गोली दिन में एक बार, भोजन के उपरान्त 7 दिन के लिए (किट में कुल 07 गोली)।
5. टैबलेट / कैप्सूल विटामिन बी काम्प्लेक्स, व्यस्क व्यक्ति हेतु, 1 टैबलेट / कैप्सूल दिन में एक बार 7 दिन के लिए (किट में कुल 07 गोली)
6. विटामिन D3, व्यस्क व्यक्ति हेतु – 60,000 यूनिट हर सप्ताह में एक बार दूध अथवा पानी के साथ, तीन सप्ताह तक (किट में कुल 03 गोली)
7. साँस सम्बन्धी व्यायाम / योग / प्राणायाम दिन में 20 से 30 मिनट तक करें (यदि आप सहज महसूस कर रहे हो तभी करें)
8. दिन में तीन से चार बार ऑक्सीजन सैचुरेशन (पल्स ऑक्सिमीटर से) अवश्य नापे, ऑक्सीजन सैचुरेशन 94 प्रतिशत अथवा इससे अधिक होना चाहिए।
9. पर्याप्त मात्रा में हल्का गर्म / गुनगुना पानी लें, वयस्क व्यक्ति – 3 से 4 लीटर प्रतिदिन।

यदि आप पूर्व में डायबिटीज, उच्च रक्तचाप अथवा अन्य किसी अन्य क्रॉनिक (दीर्घावधि) बीमारी के लिए उपचार ले रहे थे, तो उसे अपने चिकित्सक के परामर्श के साथ जारी रखें।

6 से 12 वर्ष आयु के बच्चों हेतु

औषधि का नाम	6 से 12 वर्ष आयु के बच्चे	विशेष बिंदु
टैबलेट पैरासीटामॉल (500 मि0ग्रा0)	आधी गोली दिन में तीन बार (8 घंटे के अन्तराल पर)	यह दवा बुखार आने की स्थिति में ही देनी है, खाली पेट दवा न दें।
मल्टीविटामिन टैबलेट	एक गोली दिन में एक बार (रात को सोने से पहले)	सात दिन तक दी जानी है।
आईवरमेक्टिन टेबलेट (6 मि0ग्रा0)	एक गोली दिन में एक बार (रात को खाना खाने के 1 घंटे बाद)	तीन दिन तक दी जानी है।
ओ0आर0एस0 पैकेट	दस्त होने की स्थिति में 1 लीटर पानी को उबाल कर ठंडा कर लें, इसके बाद इस 1 ली पानी में पूरा पैकेट घोल कर एक बर्तन में ढक कर रखें इस घोल को हर बार दस्त होने के बाद थोड़ी थोड़ी मात्रा मे बच्चे को दें।	

1. दिन में तीन से चार बार बच्चे का ऑक्सीजन सैचुरेशन (पल्स ऑक्सिमीटर से) अवश्य नापे, ऑक्सीजन सैचुरेशन 94 प्रतिशत अथवा इससे अधिक होना चाहिए।
2. अगर बच्चे को अधिक खाँसी आये, पसली चलती प्रतीत हो रही हो, बच्चा खाना–पीना बंद कर दे, बच्चे को तेज बुखार हो अथवा दस्त ना रुकें तो तत्काल ए0एन0एम0 उपकेन्द्र अथवा नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर जाएँ बच्चे की जाँच के उपरांत अग्रिम उपचार हेतु आवश्यक दवा उपलब्ध कराई जाएगी।

1 से 5 वर्ष आयु के बच्चों हेतु

औषधि का नाम	1 से 2 वर्ष के बच्चे	2 से 3 वर्ष के बच्चे	3 से 5 वर्ष के बच्चे	विशेष बिंदु
पैरासिटामॉल सीरप (25 मिग्रा प्रति मि0ली0)	5 मिली (पूरी चम्मच) दिन में चार बार (6 घंटे के अन्तराल पर)	10 मिली (दो चम्मच) दिन में तीन बार (8 घंटे के अन्तराल पर)	10 मिली (दो चम्मच) दिन में चार बार (6 घंटे के अन्तराल पर)	यह दवा बुखार आने की स्थिति में ही देनी है, खाली पेट दवा न दें।
मल्टीविटामिन सीरप	2.5 मिली (आधी चम्मच) दिन में एक बार (रात को)	2.5 मिली (आधी चम्मच) दिन में दो बार (सुबह तथा रात को)	2.5 मिली (आधी चम्मच) दिन में दो बार (सुबह तथा रात को)	सात दिन तक दिया जाना है।
ओ0आर0एस0 पैकेट	दस्त होने की स्थिति में 1 लीटर पानी को उबाल कर ठंडा कर लें, इसके बाद इस 1 ली पानी में पूरा पैकेट घोल कर एक बर्तन में ढक कर रखें। हर बार दस्त होने के बाद इस घोल को थोड़ी–थोड़ी मात्रा मे बच्चे को दें।			

1. दिन में तीन से चार बार बच्चे का ऑक्सीजन सैचुरेशन (पल्स ऑक्सिमीटर से) अवश्य नापे, ऑक्सीजन सैचुरेशन 94 प्रतिशत अथवा अधिक होना चाहिए।
2. अगर बच्चे को अधिक खाँसी आये, पसली चलती प्रतीत हो रही हो, बच्चा खाना पीना बंद कर दे, बच्चे को तेज बुखार हो अथवा दस्त ना रुकें तो तत्काल ए0एन0एम0 उपकेन्द्र अथवा नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर जाएँ जहाँ बच्चे की जाँच के उपरांत अग्रिम उपचार हेतु आवश्यक दवा उपलब्ध कराई जाएगी।

0 से 12 माह के शिशुओं हेतु

औषधि का नाम	0 से 2 माह के शिशु	3 से 6 माह के शिशु	7 से 12 माह के शिशु	विशेष बिंदु
पैरासिटामॉल ड्राप (100 मि0ग्रा0 प्रति मि0ली0)	0.5 मि0ली0 दिन में तीन बार (ड्रॉपर के मि0ली0 निशान का प्रयोग करें)	1 मि0ली0 दिन में तीन बार (ड्रॉपर के मि0ली0 निशान का प्रयोग करें)	1 मि0ली0 दिन में चार बार (ड्रॉपर के मि0ली0 निशान का प्रयोग करें)	यह दवा बुखार आने की स्थिति में ही देनी है, खाली पेट दवा न दें।
मल्टी विटामिन ड्राप	नहीं देना है	नहीं देना है	0.5 मि0ली0 (ड्रॉपर के मि0ली0 निशान का प्रयोग करें)	सात दिन तक दी जानी है।
ओ0आर0एस0 पैकेट	दस्त होने की स्थिति में 1 लीटर पानी को उबाल कर ठंडा कर लें, इसके बाद इस 1 ली पानी में पूरा पैकेट घोल कर एक बर्तन में ढक कर रखें स हर बार दस्त होने के बाद इस घोल को थोड़ी थोड़ी मात्रा में बच्चे को दें।			

1. दिन में तीन से चार बार बच्चे का ऑक्सीजन सैचुरेशन (पल्स ऑक्सिमीटर से) अवश्य नापे, ऑक्सीजन सैचुरेशन 94: अथवा इससे अधिक होना चाहिए।
2. अगर बच्चे को अधिक खाँसी आये, पसली चलती प्रतीत हो रही हो, बच्चा दूध एवं खुराक लेना बंद कर दे, बच्चे को तेज बुखार हो अथवा दस्त ना रुकें तो तत्काल ऐ0एन0एम0 उपकेन्द्र अथवा नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर जाएँ जहाँ बच्चे की जाँच के उपरांत अग्रिम उपचार हेतु आवश्यक दवा उपलब्ध कराई जाएगी।

उपरोक्त के अनुसार समस्त सम्बन्धितों को अग्रेतर कार्यवाही हेतु अवगत कराना सुनिश्चित करें।

भ व दी य

12.1.22

(वेद ब्रत सिंह)
महानिदेशक

पत्रांकः 21फ / सं0रो0 / 2022 / तद्दिनांकः

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषितः–

1. अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ0प्र0 शासन।
2. प्रमुख सचिव, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0 शासन।
3. सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ0प्र0 शासन।
4. महानिदेशक, परिवार कल्याण, उ0प्र0।
5. महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0।
6. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0।
7. प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0 मेडिकल सप्लाईज कार्पोरेशन, उ0प्र0।
8. गार्ड फाईल।

निदेशक,
संक्रामक रोग, उ0प्र0

कार्यालय महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं उत्तर प्रदेश

कोविड - 2019

लक्षण युक्त व्यक्ति (जिनका कोविड टेस्ट रिजल्ट अभी ज्ञात नहीं है अथवा टेस्ट नहीं हुआ है) हेतु उपचार
(12 वर्ष से अधिक आयु वर्ग हेतु)

1. टेबलेट पेरासिटामोल 650 अथवा 500 मिलीग्राम की एक टेबलेट दिन में तीन बार x 5 दिन के लिए (किट में कुल 15 गोली)
   ○(सुबह)——○(दोपहर)——○(रात)
2. टेबलेट आईवरमेक्टिन 12 मिलीग्राम की एक गोली वयस्क व्यक्तियों हेतु दिन में 1 बार रात्रि के भोजन के उपरांत x 5 दिन के लिए (गर्भवती महिलाओं, धात्री महिलाओं तथा 12 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए नहीं दिया जाना है) (किट में कुल 05 गोली)
   ——○
3. टेबलेट एज़िथ्रोमायिसिन 500 मिलीग्राम दिन में 1 बार x 5 दिन के लिए (किट में कुल 05 गोली)
   ○——
4. टेबलेट विटामिन-सी, व्यस्क व्यक्ति हेतु, 500 मिलीग्राम एक गोली दिन में एक बार, भोजन के उपरांत x 7 दिन के लिए (किट में कुल 07 गोली)\
   ○——
5. टेबलेट / कैप्सूल विटामिन बी काम्प्लेक्स, व्यस्क व्यक्ति हेतु, 1 टेबलेट / कैप्सूल दिन में एक बार x 7 दिन के लिए (किट में कुल 07 गोली)
   ○——
6. विटामिन D3, व्यस्क व्यक्ति हेतु - 60,000 यूनिट हर **सप्ताह में एक बार** दूध अथवा पानी के साथ, **तीन सप्ताह तक** (किट में कुल 03 गोली)
   ○——

4. साँस संबंधी व्यायाम / योग / प्राणायाम दिन में 20 से 30 मिनट तक करें (यदि आप सहज महसूस कर रहे हो तभी करें)
5. दिन में तीन से चार बार श्वसन दर (रेस्पिरेटरी रेट) तथा ऑक्सीजन सैचुरेशन (पल्स ऑक्सिमीटर से) अवश्य नापे, ऑक्सीजन सैचुरेशन 94 % अथवा इससे अधिक होना चाहिए ।
6. पर्याप्त मात्रा में हल्का गर्म / गुनगुना पानी लें, व्यस्त व्यक्ति - 3 से 4 लीटर प्रतिदिन ।
7. यदि आप पूर्व में डायबिटीज, उच्च रक्तचाप अथवा अन्य किसी अन्य क्रॉनिक (दीर्घावधि) बीमारी के लिए उपचार ले रहे थे, तो उसे अपने चिकित्सक के परामर्श के साथ जारी रखें ।

हेल्पलाइन नंबर		**खतरे के लक्षण**
राज्य स्तरीय	1800-180-5145 एवं 104	**1. लगातर अनेक दिनों तक 101^0 से अधिक का बुखार** **2. साँस फूलना , साँस लेने में परेशानी होना** **3. पल्स ओक्सीमीटर से नापने पर ऑक्सीजन का स्तर 94 % से कम आना (कृपया थोड़ी देर लगातार देखें)** **4. भ्रम की स्थिति**
जनपद स्तरीय		
ब्लाक स्तरीय		
आशा		
निगरानी समीति		

<u>उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कोविड रोग की जाँच, उपचार एवं संदर्भन हेतु दी जाने वाली सेवायें</u>

1. <u>इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल सेंटर द्वारा रोगी की निगरानी तथा परामर्श :</u>
   I. होम आइसोलेशन के पात्र मरीजों के स्वास्थ्य की स्थिति की निरंतर निगरानी।
   II. किसी होम आइसोलेटेड मरीज के लक्षण युक्त हो जाने अथवा उसे चिकित्सकीय सहायता की आवश्यकता होने पर चिकित्सकीय सहायता एवं संदर्भन सुविधाएं उपलब्ध कराना।
   III. जन सामान्य को कोविड रोग से बचाव के उपायों तथा प्रदेश में उपलब्ध कोविड रोग की जाँच एवं उपचार हेतु उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध कराना ।
   IV. 24×7 चिकित्सकीय सलाह ।
2. ई-संजीवनी ऐप के माध्यम से घर पर ही अनुभवी चिकित्सकों द्वारा निशुल्क टेली कंसल्टेंसी की सुविधा ।
3. सरकारी टीकाकरण केन्द्रों पर निशुल्क कोविड टीकाकरण ।
4. नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्रों में निशुल्क कोविड जाँच तथा उपचार सुविधा

कोविड रोग - लक्षण

- बुख़ार , खाँसी, जुखाम, थकावट
- सर दर्द अथवा बदन दर्द
- स्वाद अथवा गंध की चेतना का चले जाना
- बुख़ार के साथ दस्त
- बुख़ार के साथ त्वचा पर चकत्ते

कोविड रोग - बचाव एवं सावधानियाँ

सदैव मास्क का प्रयोग करें

मास्क को ठीक तरह से पूरा मुंह एवं नाक कवर करते हुए लगायें

सोशल डिस्टेंसिंग (6 फुट की दूरी) का पालन करें

अनावश्यक घर से बहार ना निकलें

लक्षण आने पर स्वयं को बाकी परिवार से अलग रखें तथा तत्काल जाँच कराएँ

अनेक बार साबुन से हाथ धोएं

विशेष ध्यान रखें

यदि आप के परिवार में कोई व्यक्ति कोविड धनात्मक है तो होम आइसोलेशन के नियमों का पालन करें, घर से बाहर न निकलें ।

यदि आप कोविड रोग के लक्षणों से ग्रस्त हैं तो स्वयं को परिवार के अन्य सदस्यों से दूर रखें, घर से बाहर न निकलें ।

कार्यालय महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं उत्तर प्रदेश

कोविड - 2019

लक्षण युक्त शिशु (जिनका कोविड टेस्ट रिजल्ट अभी ज्ञात नहीं है अथवा टेस्ट नहीं हुआ है) तथा कोविड धनात्मक शिशु जिनको केवल बुखार का लक्षण है हेतु उपचार
(6 से 12 वर्ष आयु के बच्चों हेतु)

औषधि का नाम	प्रत्येक किट में संख्या	6 से 12 वर्ष आयु के बच्चे	विशेष बिंदु
टेबलेट पेरासिटामोल (500 मि०ग्रा०)	8 टेबलेट	आधी गोली दिन में तीन बार (8 घंटे के अन्तराल पर)	यह दवा बुखार आने की स्थिति में ही देनी है, खाली पेट दवा न दें ।
मल्टीविटामिन टेबलेट	7 टेबलेट	एक गोली दिन में एक बार (रात को सोने से पहले)	सात दिन तक दी जानी है ।
आईवरमेक्टिन टेबलेट (6 मि०ग्रा०)	3 टेबलेट	एक गोली दिन में एक बार (रात को खाना खाने के 1 घंटे बाद)	तीन दिन तक दी जानी है ।
ओ०आर०एस० पैकेट	2 पैकेट	दस्त होने की स्थिति में 1 लीटर पानी को उबाल कर ठंडा कर लें, इसके बाद इस 1 ली पानी में पूरा पैकेट घोल कर एक बर्तन में ढक कर रखें । हर बार दस्त होने के बाद थोड़ी थोड़ी मात्रा मे बच्चे को दें ।	

1. दिन में तीन से चार बार बच्चे के साँस लेने की दर (रेस्पिरेटरी रेट) तथा ऑक्सीजन सैचुरेशन (पल्स ऑक्सिमीटर से) अवश्य नापे, ऑक्सीजन सैचुरेशन 94% अथवा इससे अधिक होना चाहिए ।
2. अगर बच्चे को अधिक खाँसी आये, पसली चलती प्रतीत हो रही हो, बच्चा खाना-पीना बंद कर दे, बच्चे को तेज बुखार हो अथवा दस्त ना रुकें तो तत्काल ऐ०एन०एम० उपकेन्द्र अथवा नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर जाएँ बच्चे की जाँच के उपरांत अग्रिम उपचार हेतु आवश्यक दवा उपलब्ध कराई जाएगी ।

हेल्पलाइन नंबर		खतरे के लक्षण
राज्य स्तरीय	1800-180-5145 एवं 104	1. लगातर अनेक दिनों तक 101^0 से अधिक का बुखार 2. अत्यधिक खाँसी आना, पसली चलना 3. खाना-पीना बंद कर देना 4. निढाल पड़ जाना 5. पल्स ऑक्सीमीटर से नापने पर ऑक्सीजन का स्तर 94 % से कम आना (कृपया थोड़ी देर लगातार देखें)
जनपद स्तरीय		
ब्लाक स्तरीय		
आशा		
निगरानी समीति		

अति महत्वपूर्ण

- कोविड टीकाकरण पूरी तरह से सुरक्षित तथा विश्वसनीय है ।
- टीकाकरण के पात्र सभी व्यक्ति अपना टीकाकरण अवश्य करवाएं ।
- टीकाकरण आपके तथा आपके परिवार की कोविड से सुरक्षा के लिए आवश्यक है ।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कोविड रोग की जाँच, उपचार एवं संदर्भन हेतु दी जाने वाली सेवायें

1. इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल सेंटर द्वारा रोगी की निगरानी तथा परामर्श :
   - I. होम आइसोलेशन के पात्र मरीजों के स्वास्थ्य की स्थिति की निरंतर निगरानी।
   - II. किसी होम आइसोलेटेड मरीज के लक्षण युक्त हो जाने अथवा उसे चिकित्सकीय सहायता की आवश्यकता होने पर चिकित्सकीय सहायता एवं संदर्भन सुविधाएं उपलब्ध कराना।
   - III. जन सामान्य को कोविड रोग से बचाव के उपायों तथा प्रदेश में उपलब्ध कोविड रोग की जाँच एवं उपचार हेतु उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध कराना ।
   - IV. 24×7 चिकित्सकीय सलाह ।
2. ई-संजीवनी ऐप के माध्यम से घर पर ही अनुभवी चिकित्सकों द्वारा निशुल्क टेली कंसल्टेंसी की सुविधा ।
3. सरकारी टीकाकरण केन्द्रों पर निशुल्क कोविड टीकाकरण ।
4. नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्रों में निशुल्क कोविड जाँच तथा लक्षण युक्त व्यक्तियों हेतु उपचार सुविधा

6 से 12 वर्ष आयु के बच्चों में कोविड रोग के लक्षण

- बुखार, खाँसी, जुखाम
- खाना-पीना बंद कर देना
- बुखार के साथ दस्त लगना
- पसली का चलना
- निढाल पड़ जाना

कोविड रोग - बचाव एवं सावधानियाँ

- सदैव मास्क का प्रयोग करें
- मास्क को ठीक तरह से पूरा मुंह एवं नाक ढकते हुए लगायें
- सोशल डिस्टेंसिंग (6 फुट की दूरी) का पालन करें
- अनावश्यक घर से बहार ना निकलें
- लक्षण आने पर स्वयं को बाकी परिवार से अलग रखें तथा तत्काल जाँच कराएँ
- अनेक बार साबुन से हाथ धोएं

विशेष ध्यान रखें

- यदि आप के परिवार में कोई व्यक्ति कोविड धनात्मक है तो होम आइसोलेशन के नियमों का पालन करें, घर से बाहर न निकलें ।
- यदि आप कोविड रोग के लक्षणों से ग्रस्त हैं तो स्वयं को परिवार के अन्य सदस्यों से दूर रखें, घर से बाहर न निकलें ।

कार्यालय महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं उत्तर प्रदेश

कोविड - 2019

लक्षण युक्त शिशु (जिनका कोविड टेस्ट रिजल्ट अभी ज्ञात नहीं है अथवा टेस्ट नहीं हुआ है) तथा कोविड धनात्मक शिशु जिनको केवल बुखार का लक्षण है हेतु उपचार
(1 से 5 वर्ष आयु के बच्चों हेतु)

औषधि का नाम	प्रत्येक किट में संख्या	1 से 2 वर्ष के बच्चे	2 से 3 वर्ष के बच्चे	3 से 5 वर्ष के बच्चे	विशेष बिंदु
पेरासिटामोल सीरप (25 मिग्रा प्रति मि०ली०)	2 शीशी	5 मिली (पूरी चम्मच) दिन में चार बार (6 घंटे के अन्तराल पर)	10 मिली (दो चम्मच) दिन में तीन बार (8 घंटे के अन्तराल पर)	10 मिली (दो चम्मच) दिन में चार बार (6 घंटे के अन्तराल पर)	यह दवा बुखार आने की स्थिति में ही देनी है, खाली पेट दवा न दें ।
मल्टीविटामिन सीरप	1 शीशी	2.5 मिली (आधी चम्मच) दिन में एक बार (रात को)	2.5 मिली (आधी चम्मच) दिन में दो बार (सुबह तथा रात को)	2.5 मिली (आधी चम्मच) दिन में दो बार (सुबह तथा रात को)	सात दिन तक दिया जाना है ।
ओ०आर०एस० पैकेट	2 पैकेट	दस्त होने की स्थिति में 1 लीटर पानी को उबाल कर ठंडा कर लें, इसके बाद इस 1 ली पानी में पूरा पैकेट घोल कर एक बर्तन में ढक कर रखें। हर बार दस्त होने के बाद थोड़ी-थोड़ी मात्रा में बच्चे को दें।			

1. दिन में तीन से चार बार बच्चे की साँस लेने की दर (रेस्पिरेटरी रेट) तथा ऑक्सीजन सैचुरेशन (पल्स ऑक्सिमीटर से) अवश्य नापे, ऑक्सीजन सैचुरेशन 94 % अथवा अधिक होना चाहिए ।
2. अगर बच्चे को अधिक खाँसी आये, पसली चलती प्रतीत हो रही हो, बच्चा खाना पीना बंद कर दे, बच्चे को तेज बुखार हो अथवा दस्त ना रुकें तो तत्काल ऐ०एन०एम० उपकेन्द्र अथवा नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर जाएँ जहाँ बच्चे की जाँच के उपरांत अग्रिम उपचार हेतु आवश्यक दवा उपलब्ध कराई जाएगी।

हेल्पलाइन नंबर		खतरे के लक्षण
राज्य स्तरीय	1800-180-5145 एवं 104	1. लगातर अनेक दिनों तक 101^0 से अधिक का बुखार 2. अत्यधिक खाँसी आना, पसली चलना 3. खाना पीना बंद कर देना 4. अत्यधिक रोना अथवा निढाल पड़ जाना 5. पल्स ऑक्सीमीटर से नापने पर ऑक्सीजन का स्तर 94 % से कम आना (कृपया थोड़ी देर लगातार देखें)
जनपद स्तरीय		
ब्लाक स्तरीय		
आशा		
निगरानी समीति		

अति महत्वपूर्ण

- **कोविड टीकाकरण पूरी तरह से सुरक्षित तथा विश्वसनीय है ।**
- **टीकाकरण के पात्र सभी व्यक्ति अपना टीकाकरण अवश्य करवाएं ।**
- **टीकाकरण आपके तथा आपके परिवार की कोविड से सुरक्षा के लिए आवश्यक है ।**

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कोविड रोग की जाँच, उपचार एवं संदर्भन हेतु दी जाने वाली सेवायें

1. इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल सेंटर द्वारा रोगी की निगरानी तथा परामर्श :
   - I. होम आइसोलेशन के पात्र मरीजों के स्वास्थ्य की स्थिति की निरंतर निगरानी।
   - II. किसी होम आइसोलेटेड मरीज के लक्षण युक्त हो जाने अथवा उसे चिकित्सकीय सहायता की आवश्यकता होने पर चिकित्सकीय सहायता एवं संदर्भन सुविधाएं उपलब्ध कराना ।
   - III. जन सामान्य को कोविड रोग से बचाव के उपायों तथा प्रदेश में उपलब्ध कोविड रोग की जाँच एवं उपचार हेतु उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध कराना ।
   - IV. 24×7 चिकित्सकीय सलाह ।
2. ई-संजीवनी ऐप के माध्यम से घर पर ही अनुभवी चिकित्सकों द्वारा निशुल्क टेली कंसल्टेंसी की सुविधा ।
3. सरकारी टीकाकरण केन्द्रों पर निशुल्क कोविड टीकाकरण ।
4. नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्रों में निशुल्क कोविड जाँच तथा लक्षण युक्त व्यक्तियों हेतु उपचार सुविधा ।

1 से 5 वर्ष आयु के बच्चों में कोविड रोग के लक्षण

- **बुखार, खाँसी, जुखाम**
- **लगातार रोना**
- **खाना-पीना बंद कर देना**
- **दस्त लगना**
- **पसली का चलना**
- **निढाल पड़ जाना**

कोविड रोग - बचाव एवं सावधानियाँ

- **सदैव मास्क का प्रयोग करें**
- **मास्क को ठीक तरह से पूरा मुंह एवं नाक ढकते हुए लगायें**
- **सोशल डिस्टेंसिंग (6 फुट की दूरी) का पालन करें**
- **अनावश्यक घर से बहार ना निकलें**
- **लक्षण आने पर स्वयं को बाकी परिवार से अलग रखें तथा तत्काल जाँच कराएँ**
- **अनेक बार साबुन से हाथ धोएं**

विशेष ध्यान रखें

- यदि आप के परिवार में कोई व्यक्ति कोविड धनात्मक है तो होम आइसोलेशन के नियमों का पालन करें, घर से बाहर न निकलें ।
- यदि आप कोविड रोग के लक्षणों से ग्रस्त हैं तो स्वयं को परिवार के अन्य सदस्यों से दूर रखें, घर से बाहर न निकलें ।

कार्यालय महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं उत्तर प्रदेश

कोविड - 2019

लक्षण युक्त शिशु (जिनका कोविड टेस्ट रिजल्ट अभी ज्ञात नहीं है अथवा टेस्ट नहीं हुआ है) तथा कोविड धनात्मक शिशु जिनको केवल बुखार का लक्षण है हेतु उपचार
(0 से 12 माह के शिशुओं हेतु)

औषधि का नाम	प्रत्येक किट में संख्या	0 से 2 माह के शिशु	3 से 6 माह के शिशु	7 से 12 माह के शिशु	विशेष बिंदु
पेरासिटामोल ड्राप (100 मि०ग्रा० प्रति मि०ली०)	2 शीशी	0.5 मि०ली० दिन में तीन बार (ड्रॉपर के मि०ली० निशान का प्रयोग करें)	1 मि०ली० दिन में तीन बार (ड्रॉपर के मि०ली० निशान का प्रयोग करें)	1 मि०ली० दिन में चार बार (ड्रॉपर के मि०ली० निशान का प्रयोग करें)	यह दवा बुखार आने की स्थिति में ही देनी है, खाली पेट दवा न दें ।
मल्टी विटामिन ड्राप	1 शीशी	नहीं देना है	नहीं देना है	0.5 मि०ली० (ड्रॉपर के मि०ली० निशान का प्रयोग करें)	सात दिन तक दी जानी है ।
ओ०आर०एस० पैकेट	1 पैकेट	दस्त होने की स्थिति में 1 लीटर पानी को उबाल कर ठंडा कर लें, इसके बाद इस 1 ली पानी में पूरा पैकेट घोल कर एक बर्तन में ढक कर रखें । हर बार दस्त होने के बाद थोड़ी थोड़ी मात्रा में बच्चे को दें ।			

1. दिन में तीन से चार बार बच्चे के साँस लेने की दर (रेस्पिरेटरी रेट) तथा ऑक्सीजन सैचुरेशन (पल्स ऑक्सिमीटर से) अवश्य नापे, ऑक्सीजन सैचुरेशन 94% अथवा इससे अधिक होना चाहिए ।
2. अगर बच्चे को अधिक खाँसी आये, पसली चलती प्रतीत हो रही हो, बच्चा दूध एवं खुराक लेना बंद कर दे, बच्चे को तेज बुखार हो अथवा दस्त ना रुकें तो तत्काल ऐ०एन०एम० उपकेन्द्र अथवा नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर जाएँ जहाँ बच्चे की जाँच के उपरांत अग्रिम उपचार हेतु आवश्यक दवा उपलब्ध कराई जाएगी ।

हेल्पलाइन नंबर		खतरे के लक्षण
राज्य स्तरीय	1800-180-5145 एवं 104	1. लगातर अनेक दिनों तक 101^0 से अधिक का बुखार 2. अत्यधिक खाँसी आना, पसली चलना 3. दूध एवं खुराक लेना बंद कर देना 4. अत्यधिक रोना अथवा निढाल पड़ जाना 5. पल्स ऑक्सीमीटर से नापने पर ऑक्सीजन का स्तर 94 % से कम आना (कृपया थोड़ी देर लगातार देखें)
जनपद स्तरीय		
ब्लाक स्तरीय		
आशा		
निगरानी समीति		

अति महत्वपूर्ण

- कोविड टीकाकरण पूरी तरह से सुरक्षित तथा विश्वसनीय है ।
- टीकाकरण के पात्र सभी व्यक्ति अपना टीकाकरण अवश्य करवाएं ।
- टीकाकरण आपके तथा आपके परिवार की कोविड से सुरक्षा के लिए आवश्यक है ।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कोविड रोग की जाँच, उपचार एवं संदर्भन हेतु दी जाने वाली सेवायें

1. इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल सेंटर द्वारा रोगी की निगरानी तथा परामर्श :
   - I. होम आइसोलेशन के पात्र मरीजों के स्वास्थ्य की स्थिति की निरंतर निगरानी।
   - II. किसी होम आइसोलेटेड मरीज के लक्षण युक्त हो जाने अथवा उसे चिकित्सकीय सहायता की आवश्यकता होने पर चिकित्सकीय सहायता एवं संदर्भन सुविधाएं उपलब्ध कराना।
   - III. जन सामान्य को कोविड रोग से बचाव के उपायों तथा प्रदेश में उपलब्ध कोविड रोग की जाँच एवं उपचार हेतु उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध कराना ।
   - IV. 24×7 चिकित्सकीय सलाह ।
2. ई-संजीवनी ऐप के माध्यम से घर पर ही अनुभवी चिकित्सकों द्वारा निशुल्क टेली कंसल्टेंसी की सुविधा ।
3. सरकारी टीकाकरण केन्द्रों पर निशुल्क कोविड टीकाकरण ।
4. नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्रों में निशुल्क कोविड जाँच, लक्षण युक्त व्यक्तियों हेतु उपचार सुविधा ।

1 वर्ष से कम आयु के बच्चों में कोविड रोग के लक्षण

- बुखार, खाँसी, जुखाम
- लगातार रोना
- दूध/खुराक लेना बंद कर देना
- दस्त लगना
- पसली का चलना
- निढाल पड़ जाना

कोविड रोग - बचाव एवं सावधानियाँ

- सदैव मास्क का प्रयोग करें
- मास्क को ठीक तरह से पूरा मुंह एवं नाक ढकते हुए लगायें
- सोशल डिस्टेंसिंग (6 फुट की दूरी) का पालन करें
- अनावश्यक घर से बहार ना निकलें
- लक्षण आने पर स्वयं को बाकी परिवार से अलग रखें तथा तत्काल जाँच कराएँ
- अनेक बार साबुन से हाथ धोएं

विशेष ध्यान रखें

- यदि आप के परिवार में कोई व्यक्ति कोविड धनात्मक है तो होम आइसोलेशन के नियमों का पालन करें, घर से बाहर न निकलें ।
- यदि आप कोविड रोग के लक्षणों से ग्रस्त हैं तो स्वयं को परिवार के अन्य सदस्यों से दूर रखें, घर से बाहर न निकलें ।